प्रेस विज्ञप्ति

ओआरसी में हुआ एक दिवसीय किसान सशक्तिकरण सम्मेलन का आयोजन

प्रकृति के अत्यधिक दोहन के कारण ही बाढ़ और भूकम्प जैसी आपदाएं – सुदर्शन भगत

27 नवम्बर 2017, गुरूग्राम

प्रकृति हमारी आवश्यकताओं को पूरा करती है लेकिन आज मानव ने लोभवश अधिक पैदावार की चाह में प्रकृति को दूषित कर दिया है। प्रकृति के अत्यधिक दोहन का परिणाम हमारे सामने बाढ़ और भूकम्प के रूप में है। **उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ के भोड़ाकलां स्थित ओम् शान्ति रिट्रीट सैन्टर में माननीय कृषि राज्यमंत्री सुदर्शन भगत, भारत सरकार ने एक दिवसीय किसान सशक्तिकरण द्वारा सुख-शान्ति एवं सद्भावना सम्मेलन में व्यक्त किए।** उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति कृषि प्रधान रही है। 70 प्रतिशत से भी अधिक लोग जहाँ गाँवों में रहते हैं। हमारा इतिहास इस बात का गवाह है कि हमारे पूर्वजों का प्रकृति से बहुत गहरा नाता था। वर्तमान समय हमारी संस्कृति पर पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव पड़ने से लोगों की कृषि कार्यों में रूचि कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि कृषि में रासायनिक खाद का प्रयोग बहुत ही विनाशकारी है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ विश्वविद्यालय के द्वारा सिखाये जा रहे राजयोग के द्वारा हम शाश्वत योगी खेती अपनाकर जीवन को विषमुक्त बना सकते हैं।

कार्यक्रम में विशेष रूप से माउन्ट आबू से आये राजयोगी राजू भाई ने कहा कि पेड़-पौधे हमारी भावनाओं को अच्छी तरह से ग्रहण करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे शुद्ध एवं सकारात्मक विचार प्रकृति को सशक्त करते हैं जिससे धरती की उरवर्क शक्ति बढ़ती है। उन्होंने कहा कि पहले हमें अपनी प्रकृति अथवा स्वयं के स्वभाव को शुभभावना, शुभकामना सम्पन्न बनाना है।

ओआरसी की निदेशिका आशा दीदी ने कहा कि एक अच्छे किसान से पहले हमें एक अच्छा इंसान होना जरूरी है। जितना हमारा जीवन बुराईंयों और व्यसनों से मुक्त होगा, उतना ही हम अपने कृषि कार्यों को अच्छे से संचालित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे हमारे विचार होंगे वैसा ही हमारा व्यवहार होगा। उन्होंने कहा कि जब हमारा किसान प्रसन्न होगा तभी खेतों में भी लहलहाती फसलें पैदा होंगी।

दिल्ली से पधारी राज दीदी ने अपने संबोधन में बताया कि सुख और शान्ति का सीधा सम्बन्ध सद्भावना से है। अगर हमारे विचार सकारात्मक और शुद्ध हैं तो वो अवश्य ही फलीभूत होते हैं।

पलबल से आए बी० के० राजेन्द्र ने शाश्वत खेती के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जितना हम परम्परागत खादों का प्रयोग करेंगे, उतना ही हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। **फ़रूखनगर से आई बी० के० प्रमिला ने** संस्था का परिचय देते हुए कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया। **बी० के० सतवीर ने** अपने शब्दों से सभी का धन्यवाद किया। **कार्यक्रम में बीजेपी जिला परिषद् अध्यक्ष बलराज कुन्डू रोहतक, जिला पार्षद सुशील चौहान भोड़ाकला, भोड़ाकला के सरपंच यजुवेन्द्र शर्मा एवं अनेक गणमान्य व्यक्तियों सहित काफी संख्या में लोगों ने शिरकत की।** कार्यक्रम में कृषि पर आधारित एक बहुत सुन्दर नृत्य नाटिका का भी मंचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन बी० के० सपना ने किया।

कैप्शन:- **1. सुदर्शन भगत, माननीय कृषि राज्यमंत्री, भारत सरकार**

2. बी० के० राजू भाई, माउन्ट आबू

3. आशा दीदी, निदेशिका ओआरसी

4. दीप प्रज्ज्वलित करते हुए माननीय मंत्री सुदर्शन भगत, आशा दीदी, भ्राता बृजमोहन, राजू भाई, भ्राता जय प्रकाश, बीजेपी जिला परिषद् अध्यक्ष बलराज कुन्डु, राज दीदी, सरपंच यजुवेन्द्र शर्मा, जिला पार्षद सुशील चौहान एवं अन्य।

5. नृत्य नाटिका करते हुए कलाकार

6. कार्यक्रम में उपस्थित जन समूह